Re. FIRING BY BODYGUARDS OF A MLA AND TWO MINISTERS IN KOTE KAPURA IN DISTRICT FARIDKOT IN PUNJAB

डा० बलदेव प्रकाश (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं बहुत ही गभीर चर्चा की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहत हूं । पंजाब में जिला फरीदकोट मे कोट कपूर के अन्दर एक विधायक और दो मिनिस्टर्स के अगरक्षकों ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर जो बहुत हीं पीसफुल, शांतिप्रिय डिमांस्ट्रेशन कर रहे थे, अधाधुंध गोलियां चलायी और एक भारतीय जनता पार्टी के नेता की हत्या कर दी । आठ व्यक्ति गभीर रूप से जख्मी हो गये । महोदय, जहां पर आतकवादी मार रहे हैं, वहां पर पुलिस के लोग और जो कि विधायकों तथा मत्रियों के अगरक्षक हें वे भी जनता को और राजनैतिक कायकर्ताओं को अधाधूंध गोलियां चलाकर मार रहे हैं ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि 10 फीसदी वोट लेकर जो सत्ता में आये हैं आज सत्ता उनके दिमाग में चली गयी है और आतंकवादियों से भी ज्यादा क्रूर होकर जनता पर गोलियां चलाने का आदेश दे रहे हैं । मैं यहां पर मांग करता हू कि उन दोनों मंत्रियों को बर्खास्त किया जाय और वहां पर केस दर्ज किया जाय विधायक और मंत्रियों के विरूद्ध कि जो हत्यायें उन्होंने की है भारतीय जनता पार्टी के कायकर्ताओं की तथा होम मिनिस्टर इसके ऊपर सदन के अन्दर एक स्टेटमेंट दें ।

Re. KILLING OF TIGERS IN SWAI MADHOPUR NATIONAL PARK

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सभी से हाथ जोड़ कर विनती करता हूं कि मैं जो बात कह रहा हूं, उसको सुने और आप तक पहुचने दें, क्योंकि जुबान वाले व्यक्ति पर, जिसकी जुबान है, उस पर कोई अत्याचार होता है, तो वह अपनी बात चिल्ला-चिल्ला कर कह देता है, लेकिन बेजुबान जानवरों पर जो अत्याचार हुआ, जो बात मैं आपको यहां बताना चाहता हू, उसे सुन कर आपके रोंगटे खड़े हो जायेंगे ।

सवाई माधोपुर नेशनल पार्क, जहां से मैं संबंध रखता हूं, जिस पर करोडों-अरबों रुपया खर्च हुआ, विदेशों से पैसा आकर खर्च हुआ, देश से पैसा आकर खर्च हुआ. . . (**व्यवधान**) वह जो सब से बड़ा पयटन का केन्द्र बनने जा रहा था, वहां कई सेंसस के अंदर 42 टाइगर थे, लेकिन आपको आज यह जान कर दुख होगा कि 30 से अधिक टाइगरों को एक साल के अदर वहां मौत के घाट उतार दिया गया और उन टाइगरों को मारने के बाद, उनकी हड्डियां, और खालें विदेशों के अदर भजी गई ।

यह बात लगातार एक साल से चल रही थी और जो अथारिटीज फारेस्ट की जयपुर से लेकर सवाई माधोपुर तक बैठी थी, उनको लगातार यह कहा जा रहा था कि टाइगर इस नेशनल पाक में दीखते थे, वह गायब हो गया है, लेकिन उनके कानों पर जूं नहीं रेंगी क्योंकि उन सब को मिलीभगत थी ।

अभी हाल ही में पुलिस ने जब एक दस्ता बनाया और जब लोगों ने उनसे शिकायत की, तो वहां कुछ पोचर पकड़े गये हैं । (**समय की घंटी**) दो पोचरों ने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने 26 टाइगर मारे है । लेकिन, माननीय महोदय, दो आदमी टाइगर को नहीं मार सकते, दो आदमी टाइगर को उठा कर नहीं ले जा सकते और सवाई माधोपुर नेशनल पार्क में जहां पर कि टाइगर्स को मारा गया, वह बिना फारेस्ट वाली की मिलीभगत से नहीं मारा जा सकता । वहां मेन गेट उन टाइगर्स को मारने के लिए खुले, वहां के लोग उसके अंदर सम्मिलित थ और जो खालें विदेशों के अदर गई, उसमें बड़े-बड़े लोगों की मिलीभगत है । लेकिन इस मामले को दबाये जाने का प्रयास किया जा रहा है । राजस्थान सरकार के उच्च अधिकारी, फारेस्ट के बड़े-बड़े अधिकारी वहां पुलिस पर दबाव डाल रहे है कि किसी प्रकार से भी इस मामले को नहीं उछाला जाए । लेकिन वहां हजारों सांभर, चीतल और 28